IRON AND STEEL INDUSTRY

लौह इस्पात उद्योग

LECTURE 3

डा. निसार अहमद

भूगोल बिभाग
राम चरित्र सिंह कॉलेज

Mobile No. : 9258408868
Email address: ahmednisaramu@gmail.com

जापान

कच्चे माल (लोहा और कोयला) की कमी के बावजूद, जापान दुनिया के प्रमुख इस्पात उत्पादकों में से एक बन गया है। चीन के बाद जापान दुनिया में कच्चा लोहा और कच्चा इस्पात का दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक है।पहला स्टील प्लांट यावता जो कि 1901 में सरकार द्वारा बनाया गया था। जापान की लगभग पाँचवीं इस्पात क्षमता का एक बड़ा केंद्र यवता भारी उद्योग है। होन्शू में कामिशी एवं होक्काइडो में मुरोरन छोटे टीडवाटर सम्बंधित उद्योग हैं। यह क्षेत्रीय खनिज संसाधनों और उन कारखाने से सीधे जुड़े हुए, जिसमें बड़े पैमाने के कारखाने की संख्या केवल कामिशी, कोसाका, ओसारिजावा, हस्सी, होसोकुरा (मियागी) और फुजाइन (इवाते) में है। जापान की आधी से अधिक इस्पात क्षमता दक्षिण मध्य होन्शू के प्रमुख बंदरगाह शहरों के आसपास हीमीजी, कोबे-ओसाका और टोक्यो-याकोहामा क्षेत्रों के पास केंद्रित है। जापान के प्रमुख लौह एवं इस्पात उद्योग के क्षेत्र निम्नलिखित हैं:-

टोक्यो-याकोहामा क्षेत्र

इसमें लौह-इस्पात उद्योग के विकास के लिए आवश्यक सभी सुविधाएं उपलब्ध हैं। टोक्यो खाड़ी के पुनर्ग्रहण ने इस्पात निर्माण इकाइयों के लिए बड़ी, व्यापक भूमि प्रदान की है। टोक्यो-चीन क्षेत्र इस क्षेत्र का सबसे मुख्य क्षेत्र है जिसमें हिटाची और उत्तरी टोक्यो में इस्पात औद्योगिक इकाइयाँ विकसित की गई हैं।

नागोया क्षेत्र

यह जापानी इस्पात उत्पादन में लगभग 20 प्रतिशत का योगदान देता है। इस क्षेत्र ने 1950-60 की अवधि के दौरान उद्योगों का भारी विकास देखा था।

ओसाका-कोबे क्षेत्

ओसाका खाड़ी के सिर पर, एक अत्यधिक महत्वपूर्ण औद्योगिक क्षेत्र विकसित हुआ है जिसे किंकी के नाम से जानते हैं। ओसाका बंदरगाह इसका मुख्य केंद्र है।इस क्षेत्र के अन्य केंद्र अमागास्की, कोबे, हेमेगी, सकाई और वाकायमा हैं।

फुकुओका-यामागुची क्षेत्र

यह क्यूशू के भीतर जापान के चरम दक्षिण में और होन्शू के पश्चिमी छोर पर स्थित है। पहला सरकारी स्टील प्लांट 1901 में यवाता में स्थापित किया गया था। किता-क्यूशू इस क्षेत्र का एक और उल्लेखनीय लोहा और इस्पात केंद्र है।

होक्काइडो क्षेत्र

इस क्षेत्र का मुख्य केंद्र मुर्रन है।स्थानीय कोयले और लौह अयस्क के आधार पर यहां एक बड़े आकार के लोहे और इस्पात उद्योग का विकास हुआ है।जापान के इस्पात संयंत्रों के स्थानीयता में सबसे खास बात यह है कि वे या तो खाड़ी तट पर स्थित हैं या कुछ नहर या नदी पर। यह इस तथ्य के कारण है कि अधिकांश जापानी इस्पात संयंत्र कच्चे माल के लिए बाहर के देशों पर निर्भर रहते हैं। एक और विशेषता यह है कि वे महान औद्योगिक जिलों के बीच में स्थित हैं जो तैयार स्टील के लिए बाजार प्रदान करते हैं। वास्तव में, जापान में लोहे और इस्पात उद्योग का स्थानीयकरण बाजार उन्मुख है।

संयुक्त राज्य अमेरिका क्षेत्र

एक समय संयुक्त राज्य अमेरिका लोहे और इस्पात का सबसे अधिक उत्पादन करने वाला देश था, लेकिन अब चीन और जापान के बाद इसकी स्थान दुनिया में तीसरे स्थान पर है। 1629 में अमेरिका में मैसाचुसेट्स में पहले लोहे एवं इस्पात संयंत्र को स्थापित किया गया था। पिछले 380 वर्षों के दौरान यह अमेरिकी इस्पात उद्योग कई परिवर्तनों से गुजरा है। यह परिवर्तन केवल विकास और उत्पादन संरचना में ही नहीं बल्कि स्थानीयकरण संरचना में भी हुआ है। संयुक्त राज्य अमेरिका में प्रमुख लोहा और इस्पात क्षेत्र इस प्रकार हैं:-

अपलाशियन या पिट्सबर्ग क्षेत्र

सभी क्षेत्रों में सबसे महत्वपूर्ण पश्चिमी पेंसिल्वेनिया और पूर्वी ओहियो का उत्तरी अपलाचियन क्षेत्र है।इस जिले में देश की ब्लास्ट फर्नेस क्षमता का लगभग 42.5 प्रतिशत है और इसका केंद्र पिट्सबर्ग दुनिया में इस्पात उद्योग का दूसरा सबसे बड़ा केंद्र है। इस क्षेत्र की मिलें ओहायो नदी की मुख्य जलधाराओं की संकीर्ण घाटियों में लगभग विशेष रूप से स्थित हैं। यह क्षेत्र जिसे अक्सर पिट्सबर्ग-यंगस्टाउन क्षेत्र के रूप में जाना जाता है, इसमें कई जिले शामिल हैं। पिट्सबर्ग जिले में 60 किलोमीटर के पिट्सबर्ग के भीतर ओहियो, मोनोंघेला और एलेघेनी की घाटियों में स्थित कई उद्योग हैं।यंगस्टाउन या लेइ घाटी 'जिले में शेनयांगो और महोनिंग नदियों की घाटियों में उद्योग शामिल हैं। व्हीलिंग, जॉन्सटाउन, स्टेनहिलविले और बेवर फॉल्स अन्य महत्वपूर्ण इस्पात उत्पादक केंद्र हैं।

झील क्षेत्र

झील क्षेत्र में क्षेत्र आता है:-

1.झील एरी बंदरगाहों, डेट्रोइट, क्लीवलैंड और भैंस, आदि।

2.झील मिशिगन, शिकागो-गैरी या कैलुमेंट जिले के प्रमुख के पास के केंद्र,

3.झील सुपीरियर क्षेत्र, दुलुथ।

ये जिले उद्योग, कोयला, लोहा और बाजार के स्थानीयकरण में तीन कारकों के लिए कुछ अलग समायोजन का प्रतिनिधित्व करते हैं। एरी झील के तट एपलाचियन कोयले के करीब है, लेकिन दुलुथ क्षेत्र की तुलना में लौह अयस्क से बहुत दूर है। मिशिगन क्षेत्र दोनों के बीच में है। एक महत्वपूर्ण लाभ जो इन सभी जिलों को पिट्सबर्ग क्षेत्र में मिलता है।दूसरी ओर, ये केंद्र बाजार से थोड़ी दूर पर स्थित हैं। उदाहरण के लिए, डुलुथ के पास अपने तत्काल वनभूमि, जंगल, खेत हैं, जिसमें लोहे और स्टील के सामान की बहुत कम मांग है।डेट्रायट संयुक्त राज्य अमेरिका में सबसे बड़ा इस्पात खपत केंद्र है, खासकर अपने ऑटोमोबाइल उद्योग के कारण।

अटलांटिक सीबोर्ड क्षेत्र

अटलांटिक सीबोर्ड पर, यह केवल मध्य अटलांटिक क्षेत्र (न्यूयॉर्क, फिलाडेल्फिया और बाल्टीमोर, आदि) है जो महत्वपूर्ण है। इस क्षेत्र का मुख्य लाभ यह है कि दोनों को टिडवाटर के नजदीक होने से संबंधित कुछ फायदा होता है, और पूर्व के बड़े औद्योगिक केंद्रों से निकटता होने से इन्हें और भी अधिक फायदा होता है। अटलांटिक सीबोर्ड के महान विनिर्माण क्षेत्र, घनी आबादी के क्षेत्र और उत्तरी अमेरिका में सबसे गहन औद्योगिक विकास के केंद्र के पास इसका स्थान सबसे उल्लेखनीय है।

मध्य अटलांटिक क्षेत्र एकमात्र प्रमुख क्षेत्र है जिसमें इस अत्यधिक औद्योगिक क्षेत्र में उपलब्ध स्क्रैप की अपेक्षाकृत बड़ी मात्रा के कारण कच्चा लोहा और स्टील का उत्पादन उल्लेखनीय रूप से अनुपात में अधिक होता है।इस क्षेत्र में कई स्टील मिलें हैं जो ब्लास्ट फर्नेस के बिना काम करती हैं, जो अन्य क्षेत्रों, विशेष रूप से उत्तरी अपलाचियन क्षेत्र से आयातित स्क्रैप और कच्चा लोहा दोनों पर निर्भर करती है।

दक्षिण अप्पलाचियन

दक्षिणी अपलाचियन के अलबामा में,उत्तरी अमेरिका में कहीं और की तुलना में कच्चे माल बड़ी मात्रा में पाए जाते हैं जबकि अयस्क निम्न श्रेणी का होता है और उसे शाफ्ट खनन की आवश्यकता होती है। चट्टान का अधिकांश भाग चूना है और अयस्क स्व-प्रवाहित होता है। इस क्षेत्र में बड़े औद्योगिक केंद्रों की कमी है। पड़ोस में काफी मात्रा में अधिशेष कच्चा लोहा है जो उत्तर में जाता है।

TO BE CONTINUED…